P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-7* ISSUE-5* January- 2020
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

अजमेर जिले की अनुसूचित जाति में लिंगानुपात का तुलनात्मक अध्ययन

Comparative Study of Sex Ratio in Scheduled Caste of Ajmer District

Paper Submission: 05/01/2020, Date of Acceptance: 15/01/2020, Date of Publication: 20/01/2020

सुनील कुमार शर्मा
प्रोफेसर
भूगोल विभाग
एसपीसी गवर्नमेंट कॉलेज,
अजमेर, राजस्थान, भारत

सारांश

देश में 2001 की तुलना में 2011 में लिंगानुपात में 8 स्त्रियां प्रति हजार की कमी दर्ज की गई है जबकि राजस्थान में इसी दौरान लिंगानुपात में 7 स्त्रियां प्रति हजार की वृद्धि दर्ज की गई। राजस्थान में 2001-2011 के दौरान अनुसूचित जाति में भी 3 स्त्रियां हजार की वृद्धि हुई जबकि यह वृद्धि अजमेर जिले में 18 स्त्रियां प्रति हजार रही। 2011 के अनुसार जिले की कुल जनसंख्या 2583052 है जिसका 18.51 प्रतिशत भाग अनुसूचित जाति का है।

वर्ष 2001 व 2011 में अनुसूचित जाति का सर्वाधिक लिंगानुपात पीसांगन तहसील का रहा। ग्रामीण लिंगानुपात कि दृष्टि से 2001 में सर्वाधिक लिंगानुपात990 पीसांगन और न्यूनतम लिंगानुपात 919अजमेर तहसील का रहा इसी प्रकार 2011 में अधिकतम लिंगानुपात 990 मसूदा एवं न्यूनतम लिंगानुपात 940 अजमेर व नसीराबाद तहसील में रहा। इसी प्रकार 2011 में सर्वाधिक नगरीय लिंगानुपात 971 नसीराबाद तहसील एवं न्यूनतम लिंगानुपात 914 किशनगढ़ तहसील में रहा जबकि पीसांगन और भिनाय तहसील में नगरीय जनसंख्या का शून्य है । वर्ष 2011 में नगरीय लिंगानुपात की दृष्टि से प्रथम स्थान अजमेर तहसील का रहा जहां लिंगानुपात 969 रहा जबकि न्यूनतम नगरीय लिंगानुपात 220 मसूदा तहसील में रहा। लड़कियों के प्रति सांस्कृतिक रुप से स्वीकृत उपेक्षा दृष्टि और उदासीनता ही लिंगानुपात कम होने का प्रमुख कारक है। अजमेर जिले में अनुसूचित जाति के लिंगानुपात के आंकड़ों में सुधार की आवश्यकता है।

In comparison to 2001, there has been a decrease of 8 women per thousand in the sex ratio in the country in 2011, whereas in Rajasthan, there has been an increase of 7 women per thousand in the same period. In Rajasthan, during 2001-2011, there was an increase of 3 women per thousand in Scheduled Caste, whereas in Ajmer district this increase was 18 women per thousand. According to 2011, the total population of the district is 2583052, of which 18.51 percent is Scheduled Caste.

In the year 2001 and 2011, the highest sex ratio of Scheduled Castes was in Pisangan tehsil. In terms of rural sex ratio, in 2001, the highest sex ratio was 990 in Pisangan and the minimum sex ratio was 919 in Ajmer tehsil. Similarly, in 2011, the maximum sex ratio was 990 in Masuda and the minimum sex ratio was 940 in Ajmer and Nasirabad tehsil. Similarly, in 2011, the highest urban sex ratio was 971 in Nasirabad tehsil and the lowest sex ratio was 914 in Kishangarh tehsil, while the urban population was zero in Pisangan and Bhinay tehsil. In the year 2011, Ajmer tehsil stood first in terms of urban sex ratio, where the sex ratio was 969, while the minimum urban sex ratio was 220 in Masuda tehsil. Culturally accepted neglect and indifference towards girls is the main factor in decreasing sex ratio. There is a need to improve the sex ratio figures of Scheduled Castes in Ajmer district.

मुख्य शब्द : अनुसूचित जाति, लिंगानुपात, तुलनात्मक, तहसील, ग्रामीण, नगरीय, श्रम बल, रूढ़िवादिता, उदासीनता, साक्षरता।

Keyword: Scheduled Caste, Sex Ratio, Comparative, Tehsil, Rural, Urban, Labor Force, Stereotypes, Apathy, Literacy.

प्रस्तावना

लिंगानुपात जनसंख्या संगठन की महत्वपूर्ण कड़ी है। लिंगानुपात हमें यह बताता है कि समाज में महिलाओं की स्थिति कैसी है? श्रम बाल कैसा है? वैवाहिक स्थिति कैसी है? ग्रामीण क्षेत्रों में लिंगानुपात अधिकता का कारणए ग्रामीण पुरुषों का रोजगार हेतु नगरीय क्षेत्र में प्रभावित होना है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में लिंग परीक्षण व लड़की का गर्भ गिराने की सुविधा का नहीं होना होता है। जहां लिंगानुपात अधिक वह क्षेत्र अपेक्षाकृत रूढ़िवादी मुक्त, शिक्षित एवं महिलाओं को सम्मान देने वाला क्षेत्र होता है। जनसंख्या के लिंग अनुपात से जनता की शारीरिक शक्ति का अनुमान लगाया जा सकता है क्योंकि स्त्रियों की अपेक्षा पुरुष शारीरिक रूप से अधिक बलशाली होते हैं। सामान्यतः पुरुष ही परिवार के लिए आजीविका के साधन जुटाते हैं। अन्य आर्थिक क्रियो पर भी लिंगानुपात अनुपात का प्रभाव पड़ता है। जिले एवं राज्य के लिंगानुपात से स्पष्ट होता है कि पुरुषों का अनुपात स्त्रियों से अधिक है इस तथ्य का सार्वभौम कारण यह है कि स्त्रियों की अपेक्षा पुरुषों का जन्म अधिक होता है। जिले में स्त्रियों का कम अनुपात होना उनकी सोचनीय दशा का सूचक है शताब्दियों से यहां बालिकाओं तथा स्त्रियों के प्रति अनेक सामाजिक कारणों से अपेक्षा का भाव रहा है। दहेज जैसी कुप्रथा के कारण माता-पिता कन्या जन्म को अभिशाप समझते हैं।

प्रस्तुत अध्ययन में अजमेर जिले की अनुसूचित जाति में तहसीलानुसार ग्रामीण व नगरीय लिंगानुपात के तुलनात्मक अध्ययन का प्रयास किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. जिले में अनुसूचित जाति के लिंगानुपात का तुलनात्मक अध्ययन करना
2. अनुसूचित जाति के लिंगानुपात की तहसील अनुसार तुलना करना
3. ग्रामीण व नगरीय लिंगानुपात का अध्ययन करना

साहित्यावलोकन

1. के. एस. सिंह ''द शेड्यूल्ड कास्ट 1993'' एवं ''द शेड्यूल्ड ट्राइब्स 1994'' में अनुसचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के बारे में विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया गया है।

2. जन जातियों का भौगोलिक अध्ययन द्वारा हेमलता जोशी, यूनिवर्सिटी बुक हाउस, जयपुर

3. समाजिक एवं आर्थिक विकास (चंबल सेज का एक अध्ययन) द्वारा श्रीमती प्रेमरावत, रावत पब्लिकेशन जयपुर

4. डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर ''संत कवि और समाज सुधारक 2002'' में समाज में व्याप्त कुरीतियों, छुआछूत, वर्ग भेद को मिटाने में संत, कवियों के योगदान का वर्णन है तथा इनके विचारों का संकलन है।

5. गिरधर गोमांगो "कांस्टीट्यूशनल प्रोविजन फॉर शेड्यूल्ड कास्ट एंड ट्राइब्स 1992" में अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के लिए जितने भी संविधानिक प्रावधान एवं उपबंध है, उनका विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है।

6. women and men in India 2022: sex ratio improves but female participation in workforce still low (March, 2023) Karan Deol

7. भारत में अंतरंग साथी हिंसा संबंधित कारकों का एक अध्ययन (2023) जनरल ऑफ एडल्ट प्रोटेक्शन।

अध्ययन क्षेत्र

अजमेर जिले का अक्षांशीय विस्तार $25^0$38' से $26^0$58' उत्तरी अक्षांशों एवं देशान्तरीय विस्तार $73^0$54' से $75^0$22' पूर्वी देशांतर के मध्य है। जिले की आकृति त्रिभुजाकार है। जिले की उतरी सीमा नागौर व दक्षिणी सीमा राजसमंद व भीलवाड़ा, पूर्वी सीमा जयपुर व टोंक और पश्चिमी सीमा पाली जिले से संलग्न है। अजमेर जिले का क्षैत्रफल 8481.20 वर्ग किलोमीटर है जो राजस्थान के क्षैत्रफल का 2.47 प्रतिशत है। जिले की लंबाई व चौड़ाई क्रमशः 180 व 110 किलोमीटर है। क्षैत्रफल की दृष्टि से यह राजस्थान का 15 वा जिला है। अजमेर जिला प्रायः समतल मैदान है जिसमें छीतरी हुई पहाड़ियां पाई जाती है जो अरावली पर्वत श्रंखला का हिस्सा है। जिले में इसकी सर्वोच्च चोटी तारागढ है जिसकी ऊंचाई 873 मीटर है। जिले के पश्चिम में शुष्क-अर्द्ध शुष्क एवं दक्षिण-पश्चिम व दक्षिण-पूर्व में आर्द्र भू-भाग मिलते हैं। वर्ष 2011 के अनुसार अजमेर जिला प्रशासनिक दृष्टि से 6 उपखंड व 9 तहसीलो एवं 8 पंचायत समितियों में विभक्त है। 2011 के अनुसार जिले की कुल जनसंख्या 2583052 है जिसका 18.51 प्रतिशत भाग अनुसूचित जाति का है। अनुसूचित जाति की जनसंख्या का लिंगानुसार वितरण एवं विश्लेषण करने हेतु सम्पूर्ण जिले को अध्ययन क्षेत्र हेतु चुना गया है।

लिंगानुपात का तुलनात्मक अध्ययन

लिंगानुपात से तात्पर्य किसी क्षेत्र विशेष की प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या से है। जो किसी भी क्षेत्र/प्रदेश की कार्यशील जनसंख्या व विकास के स्तर को प्रभावित करता है। प्रस्तुत अध्याय में विभिन्न आधारों पर जिले में अनुसूचित जाति की जनसंख्या के लिंगानुपात का विश्लेषण किया गया है।

राज्य व जिला स्तर पर सामान्य तुलना

तुलनात्मक लिंगानुपात (2001 - 2011)

राज्य/जिला	2001		2011	
	सामान्य	अ.जा.	सामान्य	अ.जा.
राजस्थान	921	920	928	923
अजमेर	931	943	951	961

स्त्रोत - जनगणना प्रतिवेदन 2011, जिला अजमेर

सारणी 1.0 से स्पष्ट है कि वर्ष 2001 व 2011 दोनों ही दशकों में अजमेर जिले में अनुसूचित जाति में लिंगानुपात, राजस्थान अनुसूचित जाति के लिंगानुपात से अधिक रहा। जो में जिले में 2001 से 2011 क्रमशः 943 व 961 स्त्रियां प्रति हजार पुरूष रहा। वहीं राजस्थान में यह क्रमशः 920 व 923 रहा।

वर्ष 2001 से 2011 के मध्य राज्य व जिले में सामान्य व अनुसूचित जाति की जनसंख्या के लिंगानुपात में वृद्धि पायी गई।

वर्ष 2001 में जिले में अनुसूचित जाति में लिंगानुपात 943 था जो बढ़कर 2011 में 961 हो गया अर्थात उक्त दशक में जिले में 18 स्त्रियां प्रति हजार पुरूष की वृद्धि अंकित की गई जबकि राजस्थान में यह वृद्धि मात्र 3 स्त्रियां प्रति हजार ही रही है। यह जिले में अनुसूचित जाति की जनसंख्या में सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन/विकास की ओर इंगित करता है अर्थात अनुसूचित जाति में स्त्रियों के प्रति सामाजिक सोच में आ रहे परिवर्तन को दर्शाता है। वर्ष 2011 में राजस्थान राज्य में सामान्य वर्ग में लिंगानुपात 928 तथा अनुसूचित जाति में 923 रहा। जबकि जिले में सामान्य लिंगानुपात 951 रहा तथा अनुसूचित जाति में 961 रहा। अतः तथ्यों से स्पष्ट है कि राज्य की तुलना में जिले का लिंगानुपात सामान्य व अनुसूचित जाति दोनों ही वर्गों में अधिक रहा।

अनुसूचित जाति का तहसीलानुसार लिंगानुपात

तहसील	वर्ष 2001	वर्ष 2011
अजमेर	927	955
ब्यावर	961	974
किशनगढ़	939	952
केकड़ी	940	972
सरवाड़	947	952
नसीराबाद	967	945
पीसांगन	990	1003
मसूदा	951	965
भिनाय	954	976
अजमेर जिला	943	961

स्त्रोत - जनगणना प्रतिवेदन 2011, जिला अजमेर

सारणी 1.1 से जिले के औसत लिंगानुपात व तहसीलों में अनुसूचित जाति के लिंगानुपात के अध्ययन से स्पष्ट है कि 2001 में 50 प्रतिशत से अधिक तहसीलों का लिंगानुपात जिले के औसत लिंगानुपात (943) से अधिक रहा सर्वाधिक लिंगानुपात पीसांगन (990) व नसीराबाद (967) तहसीलों में रहा जबकि न्यूनतम लिंगानुपात अजमेर (927) तहसील में रहा।

वर्ष 2011 में अजमेर, किषनगढ, सरवाड़ व नसीराबाद तहसीलों को छोड़कर शेष पाचों तहसीलों में अनुसूचित जाति का लिंगानुपात जिले में अनुसूचित जाति के लिंगानुपात से अधिक रहा। सर्वाधिक लिंगानुपात पीसांगन में 1003 रहा एवं द्वितीय स्थान पर भिनाय

तहसील रही जहाँ लिंगानुपात 976 रहा जबकि न्यूनतम लिंगानुपात 945 नसीराबाद तहसील में रहा। वर्ष2001-2011 में अनुसूचित जाति के लिंगानुपात का तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि नसीराबाद तहसील के अतिरिक्त सभी तहसीलों में लिंगानुपात में वृद्धि अंकित की गई। अनुसूचित जाति में लिंगानुपात की यह प्रवृति महिलाओं के प्रति समाज की बढ़ती संवेदशीलता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रकट करती है।

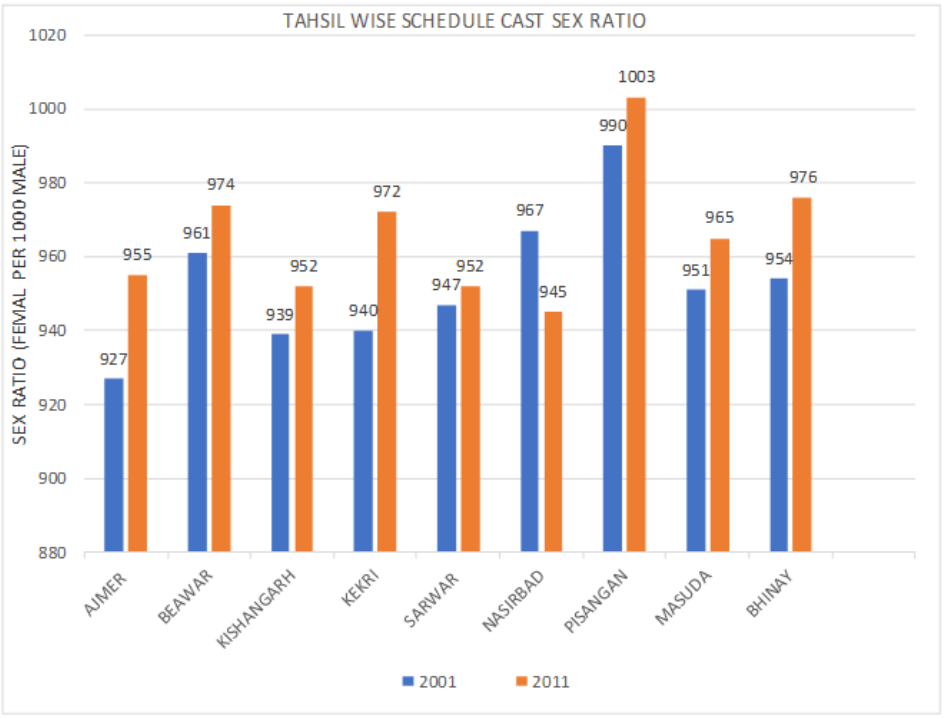

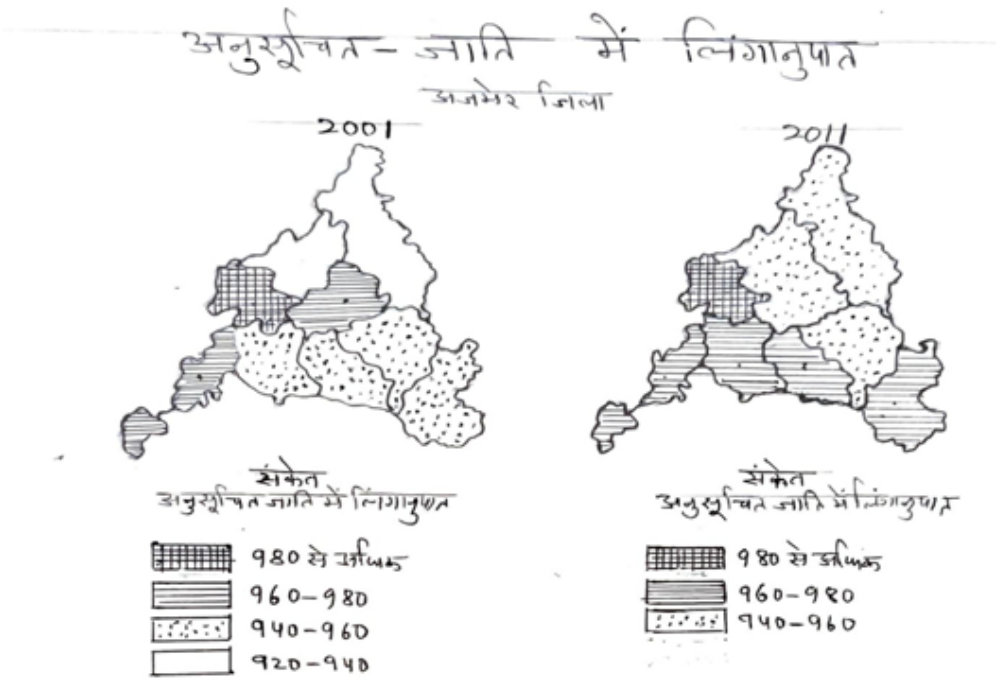

चित्र में 2001 में 2011 में तहसीलवार लिंगानुपात को प्रदर्शित किया गया है । चित्र से स्पष्ट है कि 2001 में पीसांगन तहसील में लिंगानुपात 980 स्त्रियां प्रति हजार पुरुष से अधिक है जबकि अजमेर और किशनगढ़ तहसीलों में यह 920 से 940 के मध्य है। इसी प्रकार नसीराबाद व ब्यावर तहसीलों में यह अनुपात 960 से 980 स्त्रियां प्रति हजार पुरुष है। शेष केकड़ी सरवाड़ भिनाय व मसूदा तहसीलों में यह लिंगानुपात 940 से 960 के मध्य है।

इसी प्रकार 2011 में पीसांगन तहसील का लिंगानुपात 980 से अधिक रहा जबकि ब्यावर मसूदा भिनाय केकड़ी तहसीलों का लिंगानुपात 960 से 980 के मध्य रहा। शेष तहसीलों में यह अनुपात 960 से कम रहा।

ग्रामीण व नगरीय लिंगानुपात-

किसी क्षेत्र विशेष के विभिन्न पक्षों को समझने में ग्रामीण व नगरीय लिंगानुपात सहायक सिद्ध होता है। निम्न सारणी में अजमेर जिले में तहसीलवार अनुसूचित जाति की जनसंख्या के ग्रामीण व नगरीय लिंगानुपात का प्रस्तुतिकरण किया गया है।

अनुसूचित जाति में ग्रामीण व नगरीय लिंगानुपात (प्रति हजार में)

तहसील	ग्रामीण		नगरीय	
	2001	2011	2001	2011
किशनगढ़	950	962	914	938
अजमेर	919	940	929	969
पीसांगन	990	972	-	-
ब्यावर	980	979	949	965
मसूदा	962	990	886	920
नसीराबाद	965	940	971	950
भिनाय	955	976	-	-
सरवाड़	948	955	943	948
केकडी़				

जनगणना प्रतिवेदन 2011, जिला अजमेर

सारणी 1.2 से स्पष्ट है कि वर्ष 2001 की तुलना मंे वर्ष 2011 में जिले की 6 तहसीलों के अतिरिक्त अन्य में ग्रामीण लिंगानुपात में वृद्धि एवं नसीराबाद तहसील के अतिरिक्त सभी तहसीलों में नगरीय लिंगानुपात में वृद्धि हुई है। वर्ष 2001 में सर्वाधिक लिंगानुपात 990 पीसांगन तहसील के ग्रामीण क्षेत्र में रहा। यह लिंगानुपात ब्यावर व नसीराबाद तहसीलों में 980 एवं 965 क्रमशः रहा जबकि न्यूनतम लिंगानुपात 919 अजमेर तहसील में रहा। 2001 में अजमेर तहसील में अनुसूचित जाति लिंगानुपात जिले के अनुसूचित जाति के औसत लिंगानुपात 943 से कम रहा।

वर्ष 2011 में अनुसूचित जाति के अंतर्गत सर्वाधिक ग्रामीण लिंगानुपात 990 मसूदा तहसील का, जबकि न्यूनतम ग्रामीण लिंगानुपात 940 क्रमषः अजमेर व नसीराबाद तहसीलों में

रहा। 2001 से 2011 के मध्य जिले में ग्रामीण लिंगानुपात में वृद्धि व कमी की स्थिति रही। ग्रामीण लिंगानुपात की दृष्टि से 2001 से 2011 के मध्य सर्वाधिक वृद्धि 39 स्त्रियां प्रति हजार पुरूष केकडी तहसील में रही जबकि नसीराबाद तहसील में यह वृद्धि सर्वाधिक ऋणात्मक रही, जहां 25 स्त्रियां प्रति हजार की कमी दर्ज की गई। यह तथ्य नसीराबाद तहसील में स्त्रियों के प्रति असंवेदनषीलता का द्योतक हैं।

सारणी 1.2 से स्पष्ट है कि जिले में 2001 में सर्वाधिक नगरीय लिंगानुपात 971 नसीराबाद तहसील का, जबकि न्यूनतम नगरीय लिंगानुपात 886 मसूदा तहसील में रहा। वर्ष 2011 में सर्वाधिक नगरीय लिंगानुपात 949 अजमेर तहसील का, जबकि केकड़ी व ब्यावर तहसीलों में यह क्रमषः 966 व 965 अंकित किया गया। वर्ष 2011 में न्यूनतम नगरीय लिंगानुपात 920 मसूदा तहसील में रहा।

निष्कर्ष

तुलनात्मक दृष्टि से वर्ष 2001 . 2011 के मध्य नसीराबाद तहसील में ग्रामीण व शहरी लिंगानुपात दोनों में प्रवेश क्रमषः 25 व 21 स्त्रियां प्रति हजार कम हुई जो नसीराबाद से रोजगार की तलाश में महिलाओं के अंयत्र पलायन एवं उनके प्रति संवेदनशीलता को इंगित करता है जबकि इसी दशक में जिले की अन्य समस्त तहसीलों में नगरीय लिंगानुपात मैं वृद्धि हुई है जो नगरीय क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति समाज की सकारात्मक सोच को प्रदर्शित करता है।

भविष्य के अध्ययन के लिए सुझाव

जिले में पिछले दशक में अनुसूचित जाति में लिंगानुपात में वृद्धि दर्ज की गई लेकिन अभी भी यह बहुत कम है। कमी के प्रमुख कारणों में साक्षरता की कमीए बाल विवाह एसंतुलित पोषण का अभाव एप्रसव संबंधी सुविधाओं में कमी एवं भ्रूण हत्या आदि है । सरकार द्वारा उपरोक्त समस्याओं के समाधान हेतु विशेष योजनाओं को लागू करने के साथ ही उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. चांदना आर सी (2014) जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली
2. Maurya S.D. (2018) Population Geography, Pravalika publication, Allahabad
3. Abantika Ghosh and Shreya Ray, "20% of 9000 SC, ST Seats in DU Vacant, " Times of India (New Delhi), April 11, 2006.
4. Bhalla, L.R. (2016) "Geography of Rajasthan": Kuldeep Publication, Ajmer.
5. Bhat, P. N. Mari and Shiva S. Halli ."Demography of Brideprice and Dowry: Causes and Consequences of the Indian Marriage Squeeze." Population Studies 53 no. 2 (1999): 129-48.
6. District Statistical outline- 2006, District - Ajmer: Directorate of Economic and statistics, Rajasthan, Jaipur.
7. Moser, C.A.: "Survey Methods in Social Investigation" P. 168
8. National Commission for Backward classes, accessed online at www.ncbc.nic.in on April 28, 2006
9. कौशिक, एस. डी. (2020), ''संसाधन भूगोल'' रस्तोगी पब्लिकेशन्स, मेरठ।

10. बंसल,एस सी (1990), ''भारत का वृहत् भूगोल'' मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ।
11. जिला जनगणना प्रतिवेदन, 2001ए 2011 (अजमेर)
12. समाचार पत्र नवभारत टाइम्स, राजस्थान पत्रिका, दैनिक नवज्योति, दैनिक सहारा, द इकोनोमिक
13. टाइम्स, टाइम्स ऑफ इंडिया।
14. women and men in India 2022: sex ratio improves but female participation in workforce still low (March, 2023) Karan Deol
15. भारत में अंतरंग साथी हिंसा संबंधित कारकों का एक अध्ययन (2023) जनरल ऑफ एडल्ट प्रोटेक्शन।